

31.5.18

Handwritten notes and signatures on the left margin, including "31.5.18" and "31.5.18".

पत्रावली लोक अदालत केम्प बूढादीत में पेश हुई। वादीगण मय अधिवक्ता उपस्थित। वादीगण ने वाद विरुद्ध प्रतिवादी अन्तर्गत धारा 88-89 आरटीएक्ट में प्रस्तुत कर ग्राम सांगाहेडी तहसील दीगोद स्थित ख0नं0 103/338 व दीवानिया तहसील दीगोद स्थित ख0नं0 17 रकबा 0.68 हे0 भूमि का खातेदार घोषित कर बद्री पुत्र कजोड का नाम खातों से डिलीट किये जाने का निवेदन किया। मजमें आम में उभयपक्ष को सुना गया। वादीगण का कथन है कि वादीगण के पिता चतरा व वादीगण के चाचा बद्री पुत्र कजोड की संयुक्त खातेदारी आराजी ग्राम सांगाहेडी में ख0नं0 103/338 रकबा 0.88 हे0 एवं ग्राम दीवानिया में वादीगण के पिता व चाचा के नाम ख0नं0 17 रकबा 0.68 हे0 भूमि स्थित चली आ रही है। वादीगण के पिता का देहान्त हो चुका है तथा वादीगण चतरा पुत्र कजोड के एकमात्र वारिसान है। जिनके नाम ग्राम सांगाहेडी स्थित आराजी मृतक चतरा के स्थान वादीगण का नाम दर्ज कर दिया गया। ग्राम दीवानिया स्थित आराजी भी चतरा व बद्री के नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज। उक्त आराजी में चतरा के स्थान पर वादीगण का नाम राजस्व रिकॉर्ड में बार-बार निवेदन करने के उपरान्त भी दर्ज नहीं किया गया। वादीगण के चाचा बद्री पुत्र कजोड का भी देहान्त हो चुका है व उनकी पत्नी नेना बाई की भी मृत्यु हो चुकी है। इस प्रकार वादीगण के चाचा व चाची का लाओलाद स्वर्गवास हो जाने से वादीगण अपने पिता चतरा आत्मज कजोड व

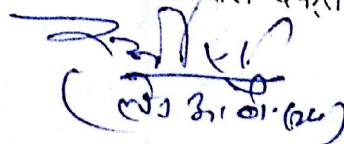
मे चतरा और
करी दोनो को
जागरा हूँ दोनो
फुले मारि हूँ
दोनों की मृत्यु हो
चुकी है। पिता के नाम
आराजी मृतक के नाम
हो। उक्त के नाम पर
मृतक के नाम पर
मृत्यु की वही फाउण्ड
इसलिए वही के नाम पर
उक्त के नाम पर मृत्यु
दर्ज किया जा

बुद्धि
(21.5.18) 13/10/18
गामे मृतक
310 सांगाहेडी

चाचा बंदी आत्मज कजोड की ग्राम सांगाहेडी व दीवानिया स्थित आराजी पर एकमात्र वारिस एवं उत्तराधिकारी होने से काबिज होकर काश्त करते चले आ रहे है।

पत्रावली का मजमें आम में अवलोकन किया गया तथा प्रस्तुत साक्ष्य पर विधिक विचारण किया। वादीगण चतरा की संतानें है तथा ग्राम सांगाहेडी स्थित आराजी में चतरा के हिस्से पर वादीगण का नाम दर्ज किया जा चुका है, किन्तु ग्राम दीवानिया स्थित आराजी वर्तमान में भी चतरा एवं बंदीलाल की खातेदारी में ही दर्ज चली आ रही है। चतरा एवं बंदीलाल दोनों की मृत्यु हो चुकी है तथा वादीगण चतरा के वारिस है। वादीगण के चाचा बंदीलाल एवं चाची नेना के लाओलाद फोट होने के सम्बन्ध में ग्राम पंचायत मदनपुरा द्वारा दिनांक 20.05.2018 को वारिस प्रमाण पत्र जारी किया है। वादी नं० 2 व 3 ने मजमें आम में उपस्थित होकर कथन किये कि वादी नं० 1 चतरा का पुत्र है तथा हमारा भाई है। चूंकि बंदीलाल लाओलाद फोट हुआ है तथा वादीगण उसके प्रथम श्रेणी के वारिसान है, जिससे बंदीलाल के खाते की आराजी को वादीगण धारण करने के अधिकारी है। इसी प्रकार ग्राम दीवानिया की आराजी में चतरा का फोती इंतकाल आदिनांक दर्ज नहीं किया गया है, इस कारण वादीगण ग्राम दीवानिया स्थित आराजी के खातेदार घोषित होने के अधिकारी है। उपरोक्त विवेचनानुसार वाद वादीगण स्वीकार योग्य है।

परिणामतः वाद वादीगण स्वीकार किया जाकर आदेश दिये जाते है कि ग्राम सांगाहेडी स्थित ख० नं० 103/338 रकबा 0.88 हे० भूमि एवं ग्राम दीवानिया स्थित ख० नं० 17 रकबा 0.68 हे० भूमि के राजस्व रिकॉर्ड से बंदीलाल का नाम डिलीट किया जावे तथा वादीगण को बंदीलाल के हिस्से का खातेदार घोषित किया जाता है तथा ग्राम दीवानिया स्थित आराजी में चतरा का फोती इंतकाल मुताबिक जमाबंदी ग्राम सांगाहेडी अनुसार दर्ज किया जावे। तदनुसार डिक्री जारी हो। निर्णय मजमें आम में सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।


(ल० अ० अ०.०२५)

डिक्री मुकदमा
(आ 20 रुल 6-7 जास्ता दीवानी)

आज अदालत न्यायालय सहायक कलक्टर एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट दीगोद जिला कोटा लोक
अदालत केम्प बूढादीत

उनवान

1. कन्हैयालाल पुत्र चतरा
2. मांगीबाई पुत्र चतरा
3. अनोरख बाई पुत्री चतरा जाति गुर्जर निवासीगण ग्राम सांगाहेडी तहसील दीगोद जिला कोटा
-वादीगण

बनाम

राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार दीगोद जिला कोटा

-प्रतिवादी

वाद अन्तर्गत धारा 88-89 आरटीएक्ट

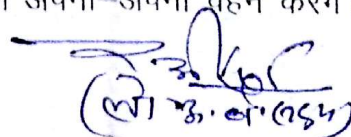
मिसल नम्बर- 43/18


यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसाल कतई रु-द-रु मुझ तारामती वैष्णव आर.ए.एस. बहाजिरी मिनजानिब मुद्दई रुबरु मिनजानिब मुद्दालयह लोक अदालत में पेश होकर हुक्म दिया जाता है कि " वाद वादीगण स्वीकार किया जाकर आदेश दिये जाते है कि ग्राम सांगाहेडी स्थित ख0नं0 103/338 रकबा 0.88 हे0 भूमि एवं ग्राम दीवानिया स्थित ख0नं0 17 रकबा 0.68 हे0 भूमि के राजस्व रिकॉर्ड से बद्रीलाल का नाम डिलीट किया जावे तथा वादीगण को बद्रीलाल के हिस्से का खातेदार घोषित किया जाता है तथा ग्राम दीवानिया स्थित आराजी में चतरा का फोती इंतकाल गुताबिक जमाबंदी ग्राम सांगाहेडी अनुसार दर्ज किया जावे।" तदनुसार अन्तिम डिक्री लोक अदालत केम्प बूढादीत में जारी की जाती है।

मेरे दस्तख्त व मोहर अदालत से आज दिनांक 31.05.2018 को जारी किया गया।

मिलान स्टाम्प अर्जी दावा			स्टाम्प अर्जी दावा		
मुद्दई	रुपये	पैसे	मुद्दालयह	रुपये	पैसे
स्टाम्प वकालतनामा	0	0	स्टाम्प अर्जी	0	0
स्टाम्प वजूह सबूत	0	0	स्टाम्प अर्जी	0	0
महन्ताना वकील	0	0	महन्ताना वकील	0	0
खर्चा गवाहान	0	0	खर्चा गवाहान	0	0
वावत इजराय हुक्मनामा	0	0	वावत इजराय हुक्मनामा	0	0
मुत0	0	0	मुत0	0	0
मिलान	0	0	मिलान	0	0

खर्चा उभय पक्ष अपना-अपना वहन करेंगे।


(आ 20 रुल 6-7 जास्ता दीवानी)


(तारामती वैष्णव)
सहायक कलक्टर,
दीगोद